अलवर में तस्करों ने रस्से से बंधी छह गौवंश को चलती पिकअप गाड़ी से फेंका

गौरक्षकों ने पिकअप पंक्चर की, गौतस्कर 17 किमी तक रिम पर गाड़ी दौड़ाते रहे और फरार हो गये

- **गौवंश के पैर व मुंह रस्से से बंधे थे, रोड पर बदहाल मिली गौवंश की हालत देखी नहीं गई**

अलवर, (निसं)। अलवर में तस्करों ने तेज रफ्तार में दौड़ रही पिकअप से 6 गौवंश को सड़क पर फेंक दिया। गौवंश के पैर व मुंह रस्से से बंधे थे। रोड पर बदहाल मिली गायों की हालत देखी नहीं गई। यह घटना खेड़ली में रविवार रात करीब 12 बजे हुई। गौतस्करों का पीछा किया तो उन्होंने बचने के लिए चलती पिकअप से गौवंश रोड पर फेंक दिए। इससे गायों के पैर, मुंह, पीठ सहित पूरा शरीर घाव में तब्दील हो गया। गौरक्षकों ने अलाव लगाकर रातभर गौवंश की सेवा की। सुबह इलाज के लिए भेजा। तस्कर पहाड़ी पर चढ़कर फरार हो गए। अलवर के गौरक्षकों ने लक्ष्मणगढ़ के धोलागढ़ में रोड पर कांटा लगाकर पिकअप को पंक्चर किया। टायर पंक्चर के बाद भी तस्करों ने पिकअप नहीं रोकी। गौरक्षकों ने गायों को खोला। इसके बाद आसपास अलाव लगाई, ताकि गायों को दर्द से राहत मिले। पूरी रात गाय दर्द में परेशानी रही। सुबह उन्हें अस्पताल भेजा गया।

गौरक्षक सागर तिवारी ने बताया कि रविवार रात करीब साढ़े 11 बजे सूचना मिली कि खेड़ली से गौवंश को उठाकर पिकअप में भरा गया है। गौतस्करों का पीछा करने टीम निकली। गौवंश को खेड़ली में जीएस स्कूल के आसपास से गाड़ी में भरा था। उनके हाथ-पैर व मुंह बांधे हुए थे। गौरक्षकों ने लक्ष्मणगढ़ के धोलागढ़ में रोड पर कांटा लगाकर पिकअप को पंक्चर किया। टायर पंक्चर हो गया, इसके बाद भी तस्करों ने पिकअप नहीं रोकी। वे पिकअप को लीली गांव की तरफ से ले गए।

सागर ने बताया कि पिकअप का पूरा टायर जल गया और गाड़ी रिम पर चल रही थी। यह देख तस्कर चलती पिकअप से रस्सों से बंधी गायों को धक्के देकर नीचे फेंकते गए। इससे गौवंश की बुरी हालत हो गई। बाद में तस्कर मकरेटा की पहाड़ी तक चढ़ गए। वहां पिकअप को खड़ी कर भाग गए। करीब 17 किलोमीटर तक तस्करों ने पिकअप को रिम पर दौड़ाया। इससे बड़ा एक्सीडेंट होने का डर भी रहा। पिकअप में पांच तस्कर थे। बाद में गौरक्षकों ने गायों को खोला। इसके बाद आसपास अलाव लगाई, ताकि गायों को दर्द से राहत मिले। पूरी रात गौवंश दर्द में परेशानी रही। सुबह उन्हें अस्पताल भेजा गया।

गौरक्षक टीम में सागर तिवारी, सोनू बाबू, चंदू मीणा, हेमंत सैनी व सन्नी सहित धोलागढ़ की टीम शामिल रही। गौरक्षकों ने कहा कि एक दिन पहले भी खेड़ली में गौवंश पकड़ा था। तस्कर कांच की बोतल व पत्थर लेकर चलते हैं। बोतल फेंकते हैं, इसलिए बचाव करना मुश्किल हो जाता है। फिर भी जान जोखिम में डालकर गायों की सेवा करने का प्रयास करते हैं।

नागौर में "श्री रामदेव पशु मेला" का विधिवत शुभारंभ

कलैक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने कार्यक्रम को संबोधित किया।

- **नागौर पशु मेले की पहचान दूर-दराज तक हैः जिला कलैक्टर अरुण कुमार पुरोहित**

नागौर, (निसं)। जिला मुख्यालय पर मानासर के पास पशु मेला मैदान में हर वर्ष आयोजित होने वाले श्री रामदेव पशु मेले का शुभारंभ सोमवार को किया गया। इस दौरान जिला कलैक्टर अरुण कुमार पुरोहित व जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने झंडा पूजन करने के बाद झंडारोहण कर मेले की विधिवत शुरुआत की। छात्राओं द्वारा मेले में आए अतिथियों एवं पशुपालकों के लिए स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। वहीं कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. महेश कुमार मीणा ने मेले की रूपरेखा प्रस्तुत की।

अध्यक्षीय उद्बोधन में जिला कलैक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने कहा कि नागौर में मेला व्यवस्था से जिले के पशुपालकों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो रही है। वहीं इस मेले का देश-विदेश में भी बड़ा महत्व है। उन्होंने बताया कि नागौर पशु मेले की पहचान राज्य से बाहर भी है। यहां पर आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में राज्य से बाहर के कलाकार आने के लिए उत्सुक रहते हैं। उन कलाकारों की आजीविका भी नागौर पशु मेले से जुड़ी हुई है। इस प्रकार अन्य राज्यों का रिश्ता भी हमारे नागौर पशु मेले से बना हुआ है। मेले की महत्वता आज भी बरकरार है।

कलैक्टर पुरोहित ने कहा कि नागौरी बैल खेती के साथ अन्य राज्यों में नस्ल सुधार व नस्ल बढ़ाने के लिए भी काम आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि चाहे डेयरी उत्पाद बनाने हो या बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक दूध की जरूरत हो, वह पशुओं के माध्यम से ही पूरी हो पाती है। मेले में कुछ कुछ समस्याएं जरूर आई है, इसके लिए पिछली बार भी काफी प्रयास किए गए थे और इस बार भी समय रहते सरकार को अवगत कराया गया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने कहा कि पशु मेला सामाजिक सौहार्द व सामाजिक एकरूपता का परिचायक है। यहां हर प्रदेश से, हर कोने से, हर धर्म व हर जाति व समाज के लोग आते हैं। जो मेले में व्यापार करते हैं, रिश्ते निभाते हैं और नागौर की पहचान लेकर लौट जाते हैं। उन्होंने कहा कि इस मेले का स्टार नागौरी बैल है, उसके बारे में जितना कहा जाए उतना कम है। उन्होंने बताया कि लोगों का आजकल मोबाइल पर स्क्रीन से जुड़ाव ज्यादा हो गया है व्यक्तिगत जुड़ाव कम है, ऐसे में मेले ही एक ऐसा अवसर है जिसमें सभी एक स्थान पर मिलते हैं, अपने दुख दर्द बांटते हैं और यहां से कुछ नया सीखकर जाते हैं।

इससे पूर्व पदमश्री अवार्डी हिम्मताराम भांबू ने कहा कि हर घर में गाय पालने की आवश्यकता है। उन्होंने गाय के दूध, गोबर, मूत्र आदि की महत्वता भी बताई। इस अवसर पर किसान व समाजसेवी प्रेमसुख जाजड़ा, पूर्व प्रधान ओमप्रकाश सेन, जिला परिषद सीईओ अरविंद जाखड़, सीओ पुलिस जतिन जैन, प्रोबेशनर आइपीएस डॉ. आदिती उपाध्याय सहित विभागीय अधिकारी व गणमान्य नागरिक एवं पशुपालक मौजूद रहे।

श्रीगंगानगर : रेल अंडरब्रिज निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने ट्रेन रोकी

- **ग्रामीणों की मांग है कि जब तक आरयूबी नहीं बनेगा वे ट्रैक पर ही बैठे रहेंगे**
- **मोहन नगर में आरयूबी की मांग को लेकर पिछले 15 साल से ग्रामीण विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं**

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां रेल अंडर ब्रिज निर्माण की मांग को लेकर सोमवार सुबह ग्रामीणों ने पैसेंजर ट्रेन को रोक दिया और ट्रैक पर बैठ गए। ग्रामीण मांग करने लगे कि जब तक आरयूबी नहीं बनेगा वे ट्रैक पर ही बैठे रहेंगे। इसी मांग को लेकर सूरतगढ़ के लोग सुबह दस बजे मोहननगर रेलवे स्टेशन के पास बने ट्रैक पर पहुंचे और श्रीगंगानगर-सूरतगढ़ ट्रेन को रोक दिया गया। इस दौरान ट्रेन करीब 25 मिनट तक रुकी रही। सोमवार सुबह ग्रामीण अचानक ट्रैक पर पहुंच गए थे। ऐसे में यात्रियों को काफी परेशानी भी हुई। गांव के बुजुर्ग भी ग्रामीणों के साथ पहुंचे थे। इनका कहना था कि आरयूबी निर्माण नहीं हो जाता तब तक वे हटेंगे नहीं।

संघर्ष समिति एकता मंच, मोहन नगर के प्रधान सरदार दर्शन सिंह ने बताया कि मोहन नगर में आरयूबी की मांग को लेकर पिछले 15 साल से ग्रामीण विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। सोमवार सुबह श्रीगंगानगर से सूरतगढ़ जा रही ट्रेन को आक्रोशित ग्रामीणों ने रोक दिया। इससे पहले करीब 1 घण्टा तक 300 ग्रामीण रेलवे ट्रेक पर धरने पर बैठे थे। मोहन नगर ट्रेन पहुंचते ही रोक ली गई जिसके बाद ट्रेन में बैठे पीडब्लूयूडी के अधिकारियों ने ग्रामीणों से समझाइश की। रेलवे के अधिकारियों ने पुलिस को सूचना दी। वहीं, पीडब्लूयूडी के अधिकारियों ने ग्रामीणों को 6 माह में आरयूबी निर्माण करवाने का स्वीकृति पत्र सौंपा।

ग्रामीणों का कहना है कि मोहननगर और आस-पास के गांवों के लोग रोजाना इस रेलवे क्रॉसिंग से गुजरते हैं। स्कूल-कॉलेज जाने वाले बच्चे, किसान, महिलाएं और बुजुर्ग तेज रफ्तार ट्रेनों के बीच पटरी पार करने को मजबूर हैं। कई बार हादसे हो चुके हैं, लेकिन रेलवे प्रशासन आरओबी बनाने में कोई रुचि नहीं दिखा रहा। लंबे समय से लिखित शिकायतें और ज्ञापन दिए जा चुके हैं, पर कोई सुनवाई नहीं हुई। इससे आक्रोशित सुबह गंगानगर-सूरतगढ़ पैसेंजर ट्रेन पहुंचते ही ग्रामीणों ने इंजन के आगे ट्रैक पर धरना दे दिया और नारेबाजी करने लगे। ग्रामीणों ने कहा कि जब तक आरओबी नहीं बनवाएंगे, तब तक ट्रेन नहीं चलेगी। ट्रेन में सैकड़ों यात्री फंसे रहे, कई ने परेशानी में उतरकर पैदल जाने की कोशिश की। रेलवे के स्थानीय अधिकारी और स्टाफ घटनास्थल पर पहुंचे। ग्रामीणों को मनाने और बातचीत का प्रयास किया।

पति ने पत्नी की हत्या की

उदयपुर, (निसं)। जिले के झाड़ोल थाना क्षेत्र में पति ने मारपीट कर पत्नी की हत्या कर दी। सूचना मिलने पर झाड़ोल पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 जनवरी रात में झाड़ोल थाना क्षेत्र गोदावाड़ा निवासी पप्पु पुत्र कालू खराड़ी तथा उसकी पत्नी प्यारीबाई (35) के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान कहासुनी तक बात बढ़ने पर पप्पुसिंह ने प्यारी के साथ मारपीट की तथा लात मार दी, जो पेट में लगने से वह गंभीर घायल होने से उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर झाड़ोल थानाधिकारी फैलीराम ने मौके पर पहुंच कर मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। दोनों के बीच विवाद होने के दौरान पप्पु शराब के नशे में था। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की।

कपड़े की दुकान में आग लगाने वाला गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपी

सांभरझील, (निसं)। कस्बा दूदू में रात्रि को कपड़े की दुकान में हुई आगजनी की वारदात का खुलासा करते हुए पुलिस ने आग लगाने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने एक जनवरी की रात्रि को मालपुरा रोड स्थित जीआर फैशन टेलर की दुकान में पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी थी। घटना की जानकारी देते हुए पीड़ित रामराज पुत्र घासीराम बैरवा निवासी गणेशपुरा द्वारा थाना दूदू में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। प्रकरण में आगजनी की घटना करने वाले अज्ञात आरोपी की गिरफ्तारी हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा व वृत्ताधिकारी दूदू दीपक खण्डेलवाल के निकटतम सुपरविजन में तथा थानाधिकारी दूदू मुकेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा आगजनी की घटना को अंजाम देने वाले आरोपी की पहचान कर सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सरदार पुत्र पूरणमल निवासी धांधोली हाल निवासी मालपुरा रोड कस्बा दूदू का रहने वाला है। पूछताछ में सामने आया कि इस घटना में लिप्त अन्य आरोपी आरोपी सतवीर उर्फ सत्या गुर्जर निवासी छप्या की तलाश जारी है। पुलिस आरोपी से इस बात का पता लगाने में जुटी है कि आखिरकार उसने दुकान में आग किस कारण से लगाई, क्या कोई रंजिश थी अथवा अन्य और कोई कारण खुलासा होने के बाद हकीकत का पता चल सकेगा।

कोटा में अवैध ट्रामाडोल कैप्सूल बरामद, एक गिरफ्तार

केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने ट्रामाडोल कैप्सूल बरामद किए।

कोटा, (निसं)। मादक पदार्थ विरोधी अभियान जारी रखते हुए केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) कोटा, भवानीमंडी और जयपुर के अधिकारियों की एक संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना पर जयपुर-कोठपुतली हाइवे पर कार्रवाई करते हुए स्कूटी पर सवार एक व्यक्ति को रोका, टीम ने व्यक्ति के पास से 23976 अवैध ट्रामाडोल कैप्सूल बरामद किए गए। उक्त कार्रवाई केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के निर्देशन में की गई।

उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति स्कूटी से अवैध साइकोट्रॉपिक पदार्थ लेकर जा रहा है। उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि उक्त सूचना पर सीबीएन कोटा, भवानीमंडी और जयपुर की एक संयुक्त टीम गठित की गई और टीम को संदिग्ध मार्ग पर निगरानी हेतु रवाना किया गया। गठित टीम ने कड़ी निगरानी के दौरान संदिग्ध स्कूटी की पहचान करने के बाद उसे जयपुर- कोठपुतली हाइवे पर रोका। टीम ने तलाशी के दौरान स्कूटी पर सवार व्यक्ति के पास मौजूद एक कार्टून बॉक्स की तलाशी लेने पर 23976 ट्रामाडोल कैप्सूल बरामद किये। टीम ने मौके पर कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बरामद अवैध ट्रामाडोल कैप्सूल एवं स्कूटी को जब्त कर लिया गया तथा टीम ने एनडीपीएस एक्ट में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

एरिया डोमिनेशन अभियान में 18 जने गिरफ्तार

पुलिस टीमों ने कार्रवाई करते हुये आरोपियों को गिरफ्तार किया।

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के निर्देशन में चलाये गये एक दिवसीय एरिया डोमिनेशन अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने कार्रवाई करते हुये 18 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मालपुरा पुष्पेन्द्र सिह सोलंकी के सुपरविजन में वृत्ताधिकारी मालपुरा आशीष प्रजापत एवं मालपुरा थानाधिकारी चेनाराम बेडा के नेतृत्व में गठित विभिन्न पुलिस टीमों द्वारा एक दिवसीय एरिया डोमिनेशन अभियान में की गई है। इस दौरान एरिया डोमिनेशन में अवैध मादक पदार्थ का परिवहन करने के खिलाफ कार्रवाई करते हुये 6.08 ग्राम स्मैक जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसी प्रकार अन्य टीम ने अवैध बजरी के विरुद्ध कार्रवाई कर दो ट्रैक्टर-ट्रॉली मय अवैध बजरी के जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया गया तथा आरोपी चालक के विरूद्ध एमएमआरडी एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है। इसी क्रम में टीम ने एनडीपीएस एक्ट के विरुद्ध कार्रवाई करते हुये 6.08 ग्राम स्मैक जब्त कर आरोपी को किया गया। वहीं अभियान के दौरान 11 व्यक्तियों की गिरफ्तार कर पाबंद करवाया गया है।

ट्रक चालक की अकाल मौत : उदयपुर के टीडी थाना क्षेत्र में ट्रक चालक की अकाल मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार टीडी थाना क्षेत्र में बारा हाइवे पर ट्रक चालक सिहोद झुंझनूं निवासी राजकुमार (30) पुत्र लिलाराम मीणा की रविवार को अकाल मौत हो गई। राजकुमार 17 जनवरी को अहमदाबाद से ट्रक लेकर दिल्ली जाने के लिए रवाना हुआ था।

जोधपुर में चयनित पांच वार्डों में स्वच्छता के कार्य जारी

उदयपुर, (कासं)। मारवाड अंचल के नगर निगम जोधपुर द्वारा के.के. गुप्ता को जोधपुर शहर में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित समुचित मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु आमंत्रित किया था। इसके पश्चात से गुप्ता द्वारा वृहद स्तर पर बैठक में लेते हुए स्वच्छ भारत मिशन के प्रत्येक मापदंड को जोधपुर शहर में लागू करने को निर्देशित किया गया।

जोधपुर नगर निगम आयुक्त द्वारा आदेशों की पालना में जोधपुर नगर निगम के पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रारंभिक चरण में चयनित पांच वार्ड संख्या 36, 8, 54, 99 और 82 में स्वच्छता अपनाने की दिशा में कार्य करते हुए जगह-जगह फैल रही गंदगी को हटाने, सड़क से अतिक्रमण मुक्ति, नाली और नालों की साफ सफाई, सामुदायिक शौचालय और मूत्रालय की दिन में तीन बार सफाई, सभी पांच वार्ड के प्रत्येक घर से नियमित रूप से कचरा संग्रहण करने आदि कार्य जारी है। जोधपुर शहर की बिगड़ती सफाई व्यवस्था और कचरा प्रबंधन को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट का सख्त रुख जारी है। इसी से जुड़े मामले में राज्य सरकार और नगर निगम ने कोर्ट को बताया है कि वे शहर को साफ रखने के लिए डूंगरपुर मॉडल के सूत्रधार के.के. गुप्ता की मदद ले रहे हैं। जस्टिस विनीत कुमार माथुर और जस्टिस चंद्र शेखर शर्मा की खंडपीठ ने गुरुवार को इस मामले पर सुनवाई की। सरकार की ओर से कोर्ट को आश्वस्त किया है कि शहर से गंदगी और मलबा हटाने के लिए एक ठोस योजना तैयार की जा रही है। कोर्ट ने सरकार के आग्रह पर प्रगति रिपोर्ट पेश करने के लिए समय देते हुए अगली सुनवाई 3 फरवरी को तय की है।

बजरी भरे दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

सरवाड़, (निसं)। अवैध बजरी खनन परिवहन करने वालों के विरुद्ध सरवाड़ पुलिस ने कार्रवाई कर अवैध बजरी भरे दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर दो जनों को गिरफ्तार किया है।

सरवाड़ थानाधिकारी रामपाल शर्मा के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा अवैध बजरी खनन व परिवहन के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुए ग्राम खिरिया गोयला में डाई नदी से बजरी खनन परिवहन की सूचना पर ग्राम जावला में नदी की पुलिया पर घेराबंदी कर अवैध बजरी से भरे हुए दो ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया गया। वहीं एक थार जीप जो एस्कोर्ट कर रही थी जो जावला से डिटेलकर ट्रैक्टर-ट्रॉली को सरवाड़ थाना परिसर में खड़ा करवाया गया। अवैध परिवहन में शामिल प्रदीप पुत्र रामलाल जाट व बलवंन्त पुत्र विक्रम जाट को गिरफ्तार कर लिया गया।

सवाई माधोपुर शहर के 263वें स्थापना दिवस पर शोभायात्रा निकाली

सवाई माधोपुर के संस्थापक सवाई माधोसिंह प्रथम की प्रतिमा पर मंत्री डॉ. मीणा ने माल्यार्पण किया।

सवाई माधोपुर, (निसं)। वर्ष 1763 में 19 जनवरी को सवाई माधोसिंह प्रथम द्वारा स्थापित सवाई माधोपुर शहर के 263वें स्थापना दिवस के अवसर पर सोमवार को शहर में शोभायात्रा निकाली गई। कृषि, उद्यानिकी, ग्रामीण विकास एवं आपदा प्रबन्धन मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने इस यात्रा का नेतृत्व किया। शनिवार को शुरू हुये स्थापना दिवस समारोह के आयोजनों की श्रृंखला में यह सर्वाधिक लोकप्रिय कार्यक्रम रहा, जिसमें शहर की आम औरतों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की। शोभायात्रा पुराने शहर के भैरू दरवाजे से प्रारम्भ होकर मुख्य बाजार होते हुए राजबाग मैदान पर सम्पन्न हुई। त्रिनेत्र गणेश भगवान तथा बाघों की नगरी के नाम से मशहूर सवाई माधोपुर शहर की रंग-बिरंगी सांस्कृतिक छटा बिखेरते लोक कलाकार, कलश धारण कर मंगल गीत गाती महिलाएं, बैण्डवादन के बीच विद्यार्थी, कच्छी-घोड़ी, बहरूपिया नृत्य आदि प्रस्तुत करते कलाकारों ने शहर के बाजार से गुजरते हुए लोगों का मनमोह लिया।

पुष्पवर्षा से शोभायात्रा का स्वागत :- ऊंट और घोड़े की सवारी भी शोभायात्रा का हिस्सा बनी। शहर के व्यापार मण्डलों, महिला संगठनों एवं आमजन ने विभिन्न चौराहों एवं छतों से पुष्प और रंगीन कागजों की वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। इस दौरान बाजार में जगह-जगह पर जयकारे से गूंजते रहे। डॉ. मीणा ने इससे पूर्व सवाई माधोपुर के संस्थापक सवाई माधोसिंह प्रथम की नगर परिषद परिसर स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। अतिरिक्त जिला कलैक्टर संजय शर्मा, नगर परिषद के पूर्व सभापति एवं उपसभापति सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों ने भी शोभायात्रा में भाग लिया।

विकास कार्यो का लोकार्पण एवं शिलान्यास :- कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने सोमवार को खण्डार तिराहे से रामद्वारा तक बाइपास निर्माण कार्य का लोकार्पण किया। इस कार्य की लागत लगभग 15 करोड़ 70 लाख रुपये से अधिक है। डॉ. मीणा ने कोतवाली से भैरू दरवाजे तक लटिया नाले की सुरक्षा दीवार और सीसी सड़क के कार्य का शिलान्यास भी किया। इस कार्य की लागत 43 करोड़ रुपये से अधिक है। इसमें हम्मीर सर्किल का सौन्दर्यकरण, सार्वजनिक पार्क एवं वॉकिंग ट्रैक का निर्माण भी कराया जाएगा। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलैक्टर संजय शर्मा, एसडीएम गौरव मिल, आयुक्त नगर परिषद देवेन्द्र जिन्दल, पूर्व सभापति और उपसभापति सहित कई पार्षद एवं जनप्रतिनिधि तथा आमजन उपस्थित थे।

"अमरूद महोत्सव" का समापन

जयपुर/सवाई माधोपुर। कृषि, उद्यानिकी, ग्रामीण विकास एवं आपदा प्रबन्धन मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि सवाई माधोपुर में स्थापित फूल उत्कृष्टता केन्द्र की तर्ज पर जिले में अमरूद उत्कृष्टता केन्द्र भी संचालित किया जाएगा। क्षेत्र के किसानों को जैविक विधि से खेती करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जैविक बीज प्रमाणीकरण की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा सोमवार को जिला मुख्यालय पर देश में पहली बार आयोजित "अमरूद महोत्सव" के औपचारिक समापन कार्यक्रम में मेले के प्रतिभागी किसानों, कृषि उद्यमियों, फल-फूल विशेषज्ञों और कृषि वैज्ञानिकों आदि को सम्बोधित कर रहे थे।

डॉ. मीणा ने कहा कि सवाई माधोपुर के किसानों को यह जानकारी व्यवहारिक रूप से समझाने के लिए "अमरूद महोत्सव" का आयोजन किया गया है। समापन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिला कलैक्टर काना राम ने कहा कि यह महोत्सव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लैब को लैन्ड से जोड़ने के संकल्प को पूरा करने की दिशा में आयोजित किया गया। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने महोत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताओं में शामिल प्रतिभागियों को पुरस्कार, स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

बीकानेर-श्रीगंगानगर सेक्टर के सामने पाक आतंकियों ने तैयार किए दो कैम्प

- **खुलासे के बाद खुफिया एजेंसियां हाई अलर्ट मोड पर, गणतंत्र दिवस को देखते हुए बीकानेर सहित देशभर में अलर्ट जारी**
- **"ऑपरेशन सिंदूर" पूरी ताकत के साथ जारी है और पाकिस्तान की ओर से किसी भी तरह की हरकत का जवाब 'तबाही' के रूप में दिया जाएगा ः भारतीय सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी**

बीकानेर, (निसं)। अंतर्राष्ट्रीय बॉर्डर के पास बीकानेर और श्रीगंगानगर सेक्टर के सामने पाकिस्तानी आतंकियों ने फिर से दो कैम्प तैयार कर लिए हैं। इस खुलासे के बाद खुफिया एजेंसियां हाई अलर्ट मोड पर हैं। गणतंत्र दिवस को देखते हुए बीकानेर सहित देशभर में अलर्ट जारी किया गया है। ऑपरेशन सिंदूर में करारी शिकस्त के बाद भी पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय बॉर्डर पार पाकिस्तान में आतंकियों के दो कैम्प फिर से शुरू हो गए हैं। यह कैम्प बीकानेर और श्रीगंगानगर सेक्टर के सामने बहावलपुर और फोर्ट अब्बास के बीच बताए जा रहे हैं। इस खुलासे के बाद देश की सभी खुफिया एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं। भारत-पाक बॉर्डर पर निगरानी बढ़ा दी गई है।

जानकारी के अनुसार भारतीय सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने हाल ही में खुलासा किया है कि आठ आतंकी कैम्प अब भी पाक मौजूद हैं, जिनमें से दो कैम्प राजस्थान के बीकानेर और श्रीगंगानगर सेक्टर के सामने इंटरनेशनल बॉर्डर के पास दोबारा तैयार किए गए हैं। आर्मी चीफ ने साफ कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पूरी ताकत के साथ जारी है और पाकिस्तान की ओर से किसी भी तरह की हरकत का जवाब 'तबाही' के रूप में दिया जाएगा।

गणतंत्र दिवस से पहले देश की खुफिया एजेंसियों ने एक गंभीर सुरक्षा अलर्ट जारी किया है, जिसमें चेतावनी दी गई है कि खालिस्तानी आतंकी संगठन और बांग्लादेश स्थित आतंकवादी गुट दिल्ली समेत देश के कई प्रमुख शहरों को निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं। ये संगठन भारत की आंतरिक सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने, दहशत फैलाने और राष्ट्रीय पर्व के दौरान किसी बड़ी साजिश को अंजाम देने की फिराक में हैं। इस अलर्ट के बाद केंद्र और राज्य सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और कई स्तरों पर सुरक्षा इंतजाम कड़े कर दिए गए हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि पंजाब के गैंगस्टर अब खालिस्तानी और कट्टरपंथी संगठनों के लिए 'फुट सोल्जर' की भूमिका निभा रहे हैं।

खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, ये अपराधी गिरोह जबरन वसूली, हथियारों की तस्करी, हत्या और ड्रग्स जैसे अपराधों में पहले से सक्रिय हैं। इनका इस्तेमाल आतंकी संगठन अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने, डर फैलाने और साजिशों को अंजाम देने के लिए कर रहे हैं। इससे संगठित अपराध और आतंकवाद के बीच खतरनाक गठजोड़ बनता जा रहा है। खुफिया अलर्ट में बताया गया है कि ये गैंगस्टर नेटवर्क अब केवल पंजाब तक सीमित नहीं हैं। ये हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भी सक्रिय हैं और धीरे-धीरे खालिस्तानी आतंकी तत्वों से अपने संबंध मजबूत कर रहे हैं। इन राज्यों में ये गिरोह हथियारों की तस्करी, रंगदारी, सुपारी किलिंग और नशे के कारोबार में शामिल हैं। आशंका है कि इन अवैध गतिविधियों से मिलने वाला पैसा आतंकी साजिशों में इस्तेमाल किया जा सकता है।